पत्र सूचना शाखा
सूचना एवं जनसंपर्क विभाग उत्तर प्रदेश

नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री श्री ए.के. शर्मा ने कांवड़ यात्रा की तैयारियों की समीक्षा की

श्रावण मास में कावड़ यात्रा के दौरान नगर विकास एवं विद्युत विभाग के अधिकारी पूरी सतर्कता एवं सजकता से कार्य करे

श्रद्धालुओं की सुविधा सर्वोपरि, सभी तैयारियां समयबद्ध, समन्वित और त्रुटिरहित होनी चाहिए

सभी व्यवस्थाएं महाकुंभ की तर्ज पर सुनिश्चित की जाए

कांवड़ मार्गों, शिविरों व पाण्डालों, शिवालयों एवं मंदिरों के आसपास विद्युत आपूर्ति बाधित न हो, पर्याप्त प्रकाश की व्यवस्था रहे

विद्युत दुर्घटनाओं को रोकने के लिए पोल, स्टेवायर एवं ट्रांसफार्मर में उतर रहे करंट का करे समुचित प्रबंध

कांवड़ मार्गों, शिविरों व पाण्डालों, शिवालयों एवं मंदिरों के आसपास साफ सफाई पर विशेष ध्यान दे

श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए प्रमुख मार्गों पर आवश्यक साइनेज, होर्डिंग, दिशा सूचक बोर्ड/स्वागत बोर्ड तथा जरूरी सूचनाएं प्रदर्शित की जाए

कांवड़ यात्रा को जीरो वेस्ट बनाये, प्लास्टिक का प्रयोग न हो, कूड़े कचरे का समुचित प्रबंध किया जाए

–ए.के. शर्मा

लखनऊ : 08 जुलाई, 2025

श्रावण मास में 11 जुलाई से शुरू होने वाली पवित्र कांवड़ यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की परेशानी न हो, इसके लिए नगर विकास एवं ऊर्जा विभाग के सभी अधिकारी पूरी सजकता एवं सतर्क रहकर संबंधित जिला प्रशासन एवं अन्य विभागों से समन्वय बनाकर कार्य करें। कहीं से भी किसी प्रकार की शिकायत नहीं आनी चाहिए।

उत्तर प्रदेश के नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री श्री ए.के. शर्मा मंगलवार को जल निगम के फील्ड हास्टल 'संगम' लखनऊ में कांवड़ यात्रा की तैयारियों को लेकर अपने दोनों विभागों के कार्यों की वर्चुअल समीक्षा की। उन्होंने कहा कि श्रावण मास भगवान शिव की उपासना का

पवित्र महीना है, जिसमें लाखों श्रद्धालु विभिन्न स्थानों की यात्रा कर पवित्र जल अर्पित करते हैं और भगवान भोलेनाथ का आशीर्वाद लेते हैं। प्रदेश सरकार का प्रयास है कि यह यात्रा पूर्ण श्रद्धा, पवित्रता, स्वच्छता एवं सुरक्षा के साथ सम्पन्न हो, इसके पूरे प्रयास किये जाए।

ऊर्जा मंत्री ने विद्युत विभाग के सभी अधिकारियों को सख्त निर्देश दिये हैं कि कांवड़ यात्रा मार्गों, पाण्डालों व शिविरों, शिवालयों एवं मंदिरों के आसपास 24 घंटे विद्युत आपूर्ति की जाए। रात्रि में निर्वाध विद्युत आपूर्ति रहे, जिससे रात्रि में यात्रा करते हुए श्रद्धालुओं को परेशानी न हो। विद्युत दुर्घटना को रोकने के लिए इन स्थानों पर विद्युत पोल, स्टेवायर एवं ट्रांसफार्मर में करेंट उतरने की समय से जांच कर ली जाए। विद्युत पोल एवं स्टेवायर को इंसुलेट भी करे तथा ट्रांसफार्मर को चारो ओर से बैरीकेट करें। उन्होंने कहा कि गत वर्षों में हुई विद्युत दुर्घटनाओं से सीख लेते हुए लोगों को सजग एवं जागरूक करें कि वे ज्यादा ऊंचाई वाले डीजे व कांवड़ लेकर न चले, जहां कहीं पर भी विद्युत लाइन लटक रही हो, उसको सही करे। सड़क को पार कर रही लाइन के नीचे सुरक्षा तार लगाये। लोगों में जागरूकता लाने के लिए विद्युत सुरक्षा संबंधी पम्पलेट बाटे। कांवड़ मार्ग में विद्युत लाइन को छू रही झाड़ियों पौधों की साखाओं की छटनी भी करा लें। विद्युत दुर्घटनायें किसी भी रूप में बर्दाश्त नहीं की जायेगी। उन्होंने कहा कि श्रद्धालुओं के लिए बनाये गये पाण्डालों व शिविरों में विद्युत कनेक्शन देने में किसी भी प्रकार की लापरवाही व ढिलाई न हो। उन्होंने सभी एक्सिएन, एसडीओ, जेई को अपने क्षेत्रों में लगातार भ्रमण करने तथा अधीनस्थों के कार्यों की मानीटरिंग करने के निर्देश दिये। उन्होंने मुख्यालय स्तर पर, सभी डिस्काम स्तर से, जोन एवं जिले के अधिकारियों के स्तर से मानीटरिंग करने के निर्देश दिये। विद्युत आपूर्ति में किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार्य नहीं होगी, अब यह बहाना नहीं चलेगा कि ऊपर से बिजली नही आ रही है।

नगर विकास मंत्री ने सभी निकाय अधिकारियों को निर्देशित किया है कि कांवड़ यात्रा मार्गो पर लगी स्ट्रीट लाइट को ठीक कराये और सम्पूर्ण मार्ग को गढढामुक्त भी किया जाए। श्रद्धालुओं के ठहरने के लिए बनाये गये पाण्डालो एवं शिविरों में स्वच्छ पेयजल आपूर्ति, मोबाइल ट्वायलेट की व्यवस्था, डस्टबिन और नियमित साफ सफाई व कूड़ा प्रबंधन की समुचित व्यवस्था की जाए। कांवड़ मार्गों, शिवालयों व मंदिरों के आसपास साफ सफाई की व्यवस्था रहे। पूजा स्थलों से निकलने वाले पूजा सामग्री एवं कूड़े कचरे का समुचित प्रबंध कराये। कांवड़ यात्रा को जीरो वेस्ट व प्लास्टिक मुक्त बनाने के पूरे प्रयास हो, श्रद्धालुओं को साफ सफाई का ध्यान रखने एवं प्लास्टिक का प्रयोग न करने के लिए जागरूक करें। कांवड़

मार्गो पर बने सामुदायिक शौचालयों की नियमित साफ सफाई की व्यवस्था की जाए। उन्होंने कहा कि श्रद्धालु रात्रि में स्नान करने व पवित्र जल लेने के लिए नदी घाटों में जाते हैं। खासतौर से गंगा घाटों, नदी घाटों की साफ सफाई, प्रकाश की व्यवस्था रहे। लोगों को गहरे पानी में न जाने व डूबने से बचाने के लिए महत्वपूर्ण नदी घाटों की बैरीकेडिग भी कराई जाए। उन्होंने डीसीसीसी के माध्यम से कार्यों की लगातार मानीटरिंग करने के भी निर्देश दिये। कांवड़ यात्रा मार्गों को पूरी तरह गड्ढा मुक्त कर सड़कों की मरम्मत का कार्य तुरंत पूर्ण किया जाए। पाटहोल कही पर भी न हो, जहां कहीं पर भी मेनहोल खुले हो, उसे शीघ्र ढका जाए। सफाई व्यवस्था में किसी भी स्तर पर लापरवाही न हो, प्रातः 05 बजे सुबह 08 बजे के बीच सभी नगरीय निकायों में नियमित रूप से साफ सफाई हो जाए, इसके लिए सफाई कर्मियों की पर्याप्त संख्या में तैनाती की जाए। श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए प्रमुख मार्गों पर आवश्यक साइनेज, होर्डिंग, दिशा सूचक बोर्ड/स्वागत बोर्ड तथा जरूरी सूचनाएं प्रदर्शित की जाए। महाकुम्भ जैसी चुस्त दुरूस्त जैसी व्यवस्था रहे। सभी निकायों से पुरानी होर्डिंग्स को हटाकर कांवड़ियों के स्वागत में नई होर्डिंग्स लगाये और स्वागत प्वाइंट बनाये। जहां कहीं पर भी श्रद्धालुओं का फुटफाल ज्यादा हो, वहां समुचित प्रबंध किये जाए। श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा से जुड़ा प्रत्येक बिंदु अत्यंत महत्वपूर्ण है। इस दौरान किसी प्रकार की लापरवाही पाए जाने पर संबंधित अधिकारियों की जवाबदेही तय की जाएगी। बरसात का मौसम है सभी निकाय संचारी रोग, मच्छर जनित बीमारियों, डेगू, चिकनगुनिया के रोकथाम के लिए जरूरी दवाओं का छिड़काव करें, कहीं पर भी जलभराव की शिकायत न हो, जलनिकासी की उचित व्यवस्था रहे। कांवड़ मार्गों, शिवालयों, मंदिरों व पाण्डालों के आसपास दवाओं का छिड़काव करें।

बैठक में प्रमुख सचिव ऊर्जा नरेंद्र भूषण, चेयरमैन यूपीपीसीएल आशीष गोयल, एमडी पंकज कुमार, अपर निदेशक नगरीय निकाय ऋतु सुहास सहित ऊर्जा एवं नगर विकास के अन्य अधिकारी उपस्थित रहे तथा सभी नगर आयुक्त एवं अधिशासी अधिकारी, सभी डिस्काम के एमडी, मुख्य अभियंता एवं अधिक्षण अभियंता वर्चुअल प्रतिभाग किया।

सम्पर्क सूत्र– प्रवीण मालवीय

राघवेन्द्र/06:10 PM

फोन नम्बर Direct : 0522–2239023 ई0पी0बी0एक्स0: 0522–2239132,33,34,35 एक्सटेंशन : 223 224 225
फैक्स नं0 : 0522–2237230 0522–2239586 ई–मेल : upsoochna@gmail.com,
वेबसाइट :www.information.up.gov.in